प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)
इन्द्रपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन शोध परियोजना के अंतर्गत ग्राम इन्द्रपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता ग्राम प्रधान श्री चन्द्र प्रकाश सिंह ने किया। प्रशिक्षण का संचालन, डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 100 किसानों ने प्रतिभाग किया। डा. सिंह ने फसलों के उत्पादन में खरपतवारों के नियंत्रण में आ रही समस्याओं पर किसानों से विचार–विमर्श किया तथा गेहूं में गेहूं का मामा; मकोय, सरसों एवं तोरिया में कटीली; गन्ने में अमरबेल के नियंत्रण हेतु वैज्ञानिक सुझाव दिए। साथ ही फसलों में सल्फर, जिंक तथा आयरन इत्यादि के प्रयोग पर बल दिया। किसानों ने बताया कि पंतनगर विश्वविद्यालय के खरपतवार परियोजना के वैज्ञानिकों द्वारा हमारे प्रक्षेत्रों पर लगाये जा रहे परिक्षणों से खरपतवारों का काफी हद तक नियंत्रण हो जाता है, जिससे अधिक उत्पादन मिलता है तथा अन्य गांव के किसान भी लाभान्वित हो रहे है। डा. सिंह ने खरपतवारों द्वारा शाकनाशियों के प्रतिरोधिता को समझाते हुए हर पांच वर्ष बाद शाकनाशियों को बदलकर प्रयोग करने की सलाह दी।

परियोजनाधिकारी, डा. तेज प्रताप ने फसलों की बोआई के समय फसल अवशेषों के बेहतर प्रबंधन हेतु नई मशीनों, जैसे सुपर सीडर का प्रयोग तथा बायोडिकम्पोजर के प्रयोग पर बल देते हुए वर्तमान में विभिन्न समस्याग्रस्त खरपतवारों के नियंत्रण हेतु नवीन व्यापक स्पेक्ट्रम शाकनाशियों के एकल प्रयोग को बढ़ावा देते हुए कम लागत में खरपतवारों के अधिकतम नियंत्रण को लाभप्रद बताया तथा किसान एवं वैज्ञानिक संवाद को और अधिक कारगर बनाने पर जोर दिया जिससे किसानों की समस्याओं का समाधान हो सके। सहायक प्राध्यापक, डा. विनीता राठौर ने दलहनी फसलों में विभिन्न खरपतवारों के नियंत्रण हेतु जानकारी दी तथा किसानों की समस्याओं का समाधान भी बताया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को एन.पी.के. (19:19:19) एवं बायोविटा फसल वृद्धिवर्धक को वितरीत किया गया, जिससे किसानों को फसल से अधिक उत्पादन मिल सके। परियोजना से संबंधित विभिन्न कार्मिक पी.डी.एफ., डा. ए.के. सिंह, एस.आर. एफ., विशाल विक्रम सिंह, रिसर्च फैलो, सोमेन्द्र सिंह, प्रक्षेत्र सहायक, हंसराज एवं आदि किसान उपस्थित थे। अंत में परियोजाधिकारी ने सभी उपस्थित किसानों को प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने हेतु धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को एन.पी.के. एवं बायोविटा फसल वृद्धि वर्धक विकरीत करते।